AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

विद्यार्थी बने वैज्ञानिक, दवाएं बनाईं और शुद्धता भी परखी

लविवि में एक दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्रम में शामिल हुए स्कूली छात्र-छात्राएं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि के न्यू कैंपस स्थित फॉर्मेसी संस्थान में शनिवार को 12वीं तक के विद्यार्थी वैज्ञानिक की भूमिका में नजर आए। विद्यार्थियों ने न सिर्फ दवाएं बनाईं बल्कि कई उत्पादों की गुणवत्ता भी परखी। विवि के फॉर्मेसी संस्थान और उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी व नेशनल अकादमी ऑफ साइंस की ओर से उनको यह मौका एक दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्रम में दिया गया।

संस्थान की प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को एस्पिरिन दवा की सिंथेसिस और बायोकेमिकल एनालिसिस के बारे में बताया गया। पेयजल की शुद्धता की परीक्षा करके दिखाया गया। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों की निगरानी में एंटी वायरल दवाएं बनाईं। छात्रों ने ब्लड प्रेशर व ब्लड ग्रुप और हिमेटोलोजिकल पैरामीटर का परीक्षण किया। लविवि कुलपति प्रो. आलोक राय ने विद्यार्थियों को हमेशा जिज्ञासु बनने और सवाल करते रहने के लिए प्रेरित किया। बायोटेक पार्क के संस्थापक प्रो. पीके सेठ ने कहा कि कहा कि मस्तिष्क ही सबसे बड़ी प्रयोगशाला है। यहीं से कोई नया विचार पनपता है और नवाचार का रूप लेता है। सीबीएमआर के निदेशक प्रो. आलोक धवन ने विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। फॉर्मेसी संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र त्रिपाठी, इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने स्वागत किया। टेलीस्कोप से छात्रों ने ग्रहों की स्थिति और स्थलीय अंतरिक्ष का नजारा देखा।

लविवि के फार्मेसी संकाय में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों ने किया लैब का भ्रमण। - संवाद

दीप प्रज्वलन करते वीसी आलोक राय।

हर्बल एंटीवायरल और मच्छर भगाने की क्रीम हुई लॉन्च

कार्यक्रम के दौरान हर्बल एंटी वायरल एवं मच्छर भगाने की क्रीम भी अतिथियों ने लॉन्च की। ये उत्पाद संस्थान के अध्यापक डॉ. कवित रावल और डॉ. लुबना आजमी ने निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में तैयार किए हैं।

पीजी की फिजिकल रिपोर्टिंग कल

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि की सत्र 2022-23 की पीजी प्रवेश प्रक्रिया आखिरी चरण में पहुंच गई है। जिन विषयों में पहले से तीसरे अलॉटमेंट के प्रवेश हो चुके हैं, उनके विद्यार्थियों को सात नवंबर को फिजिकल रिपोर्टिंग कराने को कहा गया है।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया, जिन विद्यार्थियों ने अभी तक अभिलेखों का सत्यापन नहीं कराया है, वे प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर के साथ सात नवंबर को सुबह 10 बजे संबंधित विभाग में पहुंचकर अपने मूल अभिलेखों व प्रमाण पत्रों की जांच करा लें। वहीं पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत पूर्व में जारी कंप्लीट मेरिट लिस्ट के बाद रविवार को इनका सीट अलॉटमेंट जारी किया जा रहा है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर के अनुसार, अप्लाइड इकनॉमिक्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, इकनॉमिक्स, जियोलॉजी, फिलॉसफी, संस्कृत व स्टेटिस्टिक्स का सीट अलॉटमेंट रविवार को जारी होगा। अभ्यर्थी अपनी लॉगिन आईडी से छह नवंबर को दोपहर दो बजे के बाद 10 नवंबर तक फीस जमा कर सकते हैं।

डीएवी में लॉ की दूसरी मेरिट जारी : डीएवी पीजी कॉलेज में लॉ प्रवेश की दूसरी मेरिट शनिवार को जारी कर दी गई है। प्राचार्य ने बताया कि अभ्यर्थी सात, नौ व दस नवंबर को प्रवेश काउंसिलिंग करा सकते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी के सात विषयों का सीट अलॉटमेंट जारी

पुनर्वास विवि में 11 तक जमा करें शुल्क

डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि के रजिस्ट्रार रोहित सिंह ने बताया कि बीपीओ तृतीय व चतुर्थ वर्ष में पढ़ रहे विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम शुल्क 11 नवंबर तक जमा करने का मौका दिया गया है।

विद्यांत हिंदू में यूजी-पीजी की सीटें खाली

विद्यांत हिंदू पीजी कॉलेज में बीकॉम (नियमित व स्ववित्तपोषित), बीए, एमए इतिहास व एमकॉम कॉमर्स की कुछ सीटें खाली हैं। प्राचार्या प्रो. धर्म कौर ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी कॉलेज से 700 रुपये देकर फार्म प्राप्त कर सकते हैं।

जेएनपीजी में सात तक जमा करें सेमेस्टर शुल्क : श्री जय नारायण मिश्र पीजी कॉलेज (केकेसी) में यूजी तीसरे व पांचवें सेमेस्टर व पीजी तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों को सेमेस्टर शुल्क जमा करने की तिथि सात नवंबर तक बढ़ा दी गई है। प्राचार्य प्रो. मीता साह ने बताया कि विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर दें।

एक समान परीक्षा शुल्क के लिए छात्रों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने पिछले दिनों सभी विश्वविद्यालयों-महाविद्यालयों में एक समान परीक्षा शुल्क निर्धारित किया था और सभी संबंधित संस्थानों को इसे लागू करने के लिए भी कहा था। लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी लविवि में इसे नहीं लागू किया गया। इससे नाराज छात्रों ने शनिवार को कैंपस में प्रदर्शन किया। साथ ही कुलपति प्रो. आलोक राय को ज्ञापन देकर इसे लागू कराने की मांग की।

लविवि : कुलपति को ज्ञापन देकर की इसे लागू करने की मांग

प्रदेश सरकार ने विभिन्न कोर्सों के अनुसार 800, 1000 व 1500 रुपये शुल्क निर्धारित किया था। इसे इसी सत्र से लागू भी करने का आदेश दिया गया था। किंतु लविवि व इससे संबंधित चार अन्य जिलों के महाविद्यालयों में अलग-अलग परीक्षा शुल्क लिया जा रहा है। इससे नाराज भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन, आइसा और बापसा के सदस्यों ने छात्रों के साथ रजिस्ट्रार, वित्त अधिकारी व कुलपति से मिलकर ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने जल्द इस पर निर्णय लेने की मांग की। छात्रों ने बताया कि कुछ अधिकारियों ने कहा कि अभी वित्त समिति ने इसे अप्रूव नहीं किया है। जल्द ही इसे अप्रूव कराकर लागू किया जाएगा। प्रदर्शन में विशाल सिंह, निखिल, प्रिंस प्रकाश, सौरभ, अजय, मोनू, आनंद, विराट, विकास आदि मौजूद थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

पीएचडी: मेरिट पर सात विषयों का सीट आवंटन

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत सात विषयों के लिए सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद चयनित अभ्यर्थियों को मेरिट के अनुसार सीट आवंटन दिया गया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अप्लाइड इकोनॉमिक्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, इकोनॉमिक्स, जियोलॉजी, फिलॉसफी, संस्कृत और स्टैटिस्टिक्स विषय की कम्पलीट मेरिट और सीट आवंटन अपलोड किया गया।

चयनित अभ्यर्थियों को छह नवम्बर से 10 नवम्बर तक फीस जमा करनी होगी। अभी पीएचडी के 15 विषयों की मेरिट सूची आना शेष है।

पीजी: तीसरी मेरिट के अभ्यर्थी कल सत्यापन कराएं

पीजी प्रवेश प्रक्रिया में तीसरी मेरिट के अभ्यर्थियों को सात नवम्बर को अभिलेख सत्यापन कराना होगा। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने कहा कि पीजी के किसी भी पाठ्यक्रम की तीसरी मेरिट में चयनित अभ्यर्थियों को सम्बंधित विभाग में सात नवम्बर रिपोर्ट करना होगा और प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराना होगा।

पीजी हास्टल आवेदन का आज अन्तिम मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी के छात्रों के लिए हास्टल आवेदन करने के लिए छह नवम्बर है। पीजी के छात्रों को हास्टल आवंटन में लगातार समस्या का सामना कर पड़ रहा था। जिसके बाद अभ्यर्थियों की समस्या को देखते हुए छह नवम्बर तक हास्टल आवंटन की तारीख बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थी विवि के एचएमएस पोर्टल पर आवेदन नहीं कर पा रहे थे। अभ्यर्थियों का शुल्क कट जा रहा है लेकिन फार्म जमा नहीं हो रहा था।

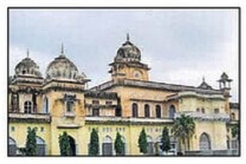

06 से 10 नवम्बर तक छात्रों को जमा करना होगा शुल्क

■ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं मेरिट सूची

यूजी का दूसरा हास्टल आवंटन भी जारी हो गया

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीए, बीएससी, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर में रिक्त सीटों के सापेक्ष प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों का दूसरा हास्टल आवंटन सूची जारी कर दी है।

9 तक शुल्क जमा करें

अभ्यर्थी लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर हास्टल आवंटन की पूरी सूची देख सकते हैं। जानकारी के अनुसार बता दें कि अभ्यर्थियों को नौ नवम्बर तक शुल्क जमा करना होगा।

200 स्कूली छात्र एक दिन के लिए बने वैज्ञानिक

एलयू

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के दूसरे कैम्पस की फार्मास्यूटिकल प्रयोगशाला का नजारा शनिवार को बदला हुआ था। यहां कक्षा 11 और 12 के 200 छात्रों को एक दिन के लिए वैज्ञानिक बनने का मौका मिला।

एलयू के फार्मेसी संस्थान, उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी और नेशनल अकादमी ऑफ साइंस की ओर से इस खास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय मौजूद रहे। प्रयोगशाला में शिक्षकों की देखरेख में स्कूली बच्चों ने किट के साथ प्रवेश किया ओर दवा की गुणवत्ता, शुद्धता समेत कई मापदंड पर परीक्षण किए। मुख्य रूप से एस्पिरिन दवा के सिंथेसिस, बायोकैमिकल का विश्लेषण किया। पानी की शुद्धता परखने का परीक्षण भी किया। हर्बल दवा, एंटीवायरल एवं मच्छर मार अगरबत्ती समेत अन्य प्रोडक्ट बनाये। हर्बल पौधों से दवाएं एवं डीएनए को अलग कर उनकी शुद्धता की परिक्षण कर पुष्टि की। इस अवसर पर बच्चों के चेहरे पर खुशी के रंग बिखरे उनके मन में वैज्ञानिक बनने की चाह जगी।

एलयू के फार्मेसी संस्थान, उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी और नेशनल अकादमी ऑफ साइंस की ओर से बच्चों के लिए वैज्ञानिक कार्यक्रम हुआ।

12 कॉलेजों के कक्षा 11 और 12 के छात्र हुए शामिल

■ स्कूली छात्रों ने परखी दवा की गुणवत्ता, बनाए उत्पाद

विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्रों को मौका

एक दिन का वैज्ञानिक कार्यक्रम में विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्रों को मौका दिया गया। इसमें 10 स्कूलों के 200 बच्चे शामिल हुए। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए ये खास कार्यक्रम किया गया। बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने लायक थी। सीबीएमआर निदेशक प्रो. आलोक धवन ने छात्रों को भविष्य में साइंस के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

JAGRAN CITY PAGE II

छात्रों ने वैज्ञानिक बन दवा बनाना सीखा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज और उत्तर प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी) की ओर से शनिवार को 'एक दिन के लिए वैज्ञानिक' कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह 10 बजे इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बतौर मुख्य अतिथि किया। मंच पर उनके साथ सेंटर आफ बायोमेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर) के निदेशक प्रो. आलोक कुमार धवन, बायोटेक पार्क के पूर्व प्रबंधक प्रो. पीके सेठ, डीन इंजीनियरिंग संकाय प्रो. एके सिंह उपस्थित रहे। फार्मेसी संस्थान की ओर से बनाए गए हर्बल एंटीवायरल एवं मस्कीटो रेपलेंट 'रोल आन' को लांच किया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों को जिज्ञासु रहकर वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। प्रो. अलोक धवन ने छात्रों को विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कहा। 207 विद्यार्थियों को एक दिन का वैज्ञानिक बनाया गया। उनकी मदद के लिए फार्मेसी के विद्यार्थी और शिक्षक मौजूद रहे। प्रोफेसर पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि विद्यार्थियों ने दवाएं बनाने से लेकर खून की जांच आदि के तरीके सीखे।

इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में शनिवार को एक दिन के वैज्ञानिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने दवा बनाने और जांच करने के तरीके सीखे ● सौजन्य से लवि

i-NEXT PAGE 4

स्टूडेंट्स बनाएं दवा और करें जांच

एलयू के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में हुआ एक दिवसीय विज्ञानी कार्यक्रम

LUCKNOW (5 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज और उत्तर प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से शनिवार को एक दिन के लिए वैज्ञानिक कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसका शुभारंभ वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने किया. मंच पर उनके साथ सेंटर आफ बायोमेडिकल रिसर्च के निदेशक प्रो. आलोक कुमार धवन आदि मौजूद रहे.

पेयजल की शुद्धता को जानें

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों व फार्मेसी के विद्यार्थियों की मदद से स्वयं प्रयोगशाला में प्रयोग करके दवाएं बनाने से लेकर खून की जांच आदि के तरीके सीखे. पेयजल की शुद्धता एवं टेबलेट आदि के गुणवत्ता परिक्षण के मापदंड करके भी देखे. कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश काउंसिल आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी के सौजन्य से टेलीस्कोप भी लगाया गया. इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार डा. जीएन सिंह ने छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए.

वैज्ञानिक सोच बढ़ाएं

कार्यक्रम में वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों को जिज्ञासु रहकर वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया. प्रो. अलोक धवन ने छात्रों को विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कहा. कार्यक्रम में आठ केंद्रीय एवं दो सरकारी इंटर कालेजों में पढ़ने वाले 11वीं और 12वीं के 207 विद्यार्थियों को 'ड्रग डिस्कवरी, ड्रग डिजाइन एंड डेवलपमेंट' के क्षेत्र के बारे में बताने के लिए एक दिन का विज्ञानी बनाया गया.

AMRIT VICHAR PAGE 4

स्पेशल लेक्चर सीरीज का हुआ आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में शनिवार को स्वर्गीय प्रो. आरके त्रिपाठी की स्मृति में प्रो. आरके त्रिपाठी मेमोरियल स्पेशल लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तृतीय लेक्चर का आयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार की अध्यक्षता में किया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के शिक्षाविद प्रो. एके शर्मा ने प्रिपरिंग आफ लाइफ के शीर्षक पर बोलते हुए कहा कि विभाग के सदस्यों और छात्रों सहित समस्त श्रोतागण ने जीवन के महत्वपूर्ण तथ्यों एवं समाज के प्रति अपने योगदान की महत्ता को समझा।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी

लखनऊ। लविवि की पीएचडी सत्र 2021-22 के तहत प्रवेश परीक्षा के विषयों का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। इसमें एप्लाइड इकोनॉमिक्स, बिजनेस एडमिनीस्ट्रेशन, इकनॉमिक्स, जेओलोजी, फिलॉस्फी, संस्कृत व इस्टेटिक्स की उपलब्ध सीटों पर चयनित अभ्यर्थियों का सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी कटऑफ देख लें और पूर्व में दी गई लॉगिन आईडी का प्रयोग करके रविवार दोपहर 2 बजे के बाद फीस जमा कर दें। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर तय की गई है।

वेब डेवलपमेंट के क्षेत्र में बढ़े रोजगार के अवसर

लखनऊ। लविवि में वेब डेवलपमेंट रोडमैप फॉर आईटी विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इवेंट में कॉग्निजेंट के सीनियर वेब डेवलपर सौरव सिंह ने कहा कि ऑनलाइन सेवाओं से वेब डेवलपमेंट के क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। साथ ही वेब डेवलपमेंट के क्षेत्र में अच्छा पैकेज भी ऑफर हो रहा है। शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल में इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने स्पीकर का बुके द्वारा स्वागत किया। स्पीकर सौरव सिंह ने फ्रंट एंड, बैक एंड और फुल स्टैक डेवलपमेंट के फ्रेमवर्क्स और उसके इंडस्ट्रियल स्कोप के बारे में विस्तार से चर्चा की।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

एलयू : पीएचडी में फीस जमा करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी स्थित एलयू की पीएचडी प्रवेश परीक्षा सत्र 2021-22 के अंतर्गत 7 विषयों की पूर्ण मेरिट सूची का रिजल्ट बीते दिनों जारी कर दिया गया था। उपलब्ध सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों का सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी कट ऑफ देखकर एवं पूर्व में दी गयी लॉगिन आईडी का प्रयोग करके रविवार को दोपहर 2 बजे के बाद फीस जमा कर दें। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर है।

PIONEER PAGE 3

एलयू की पहल पर छात्रों को मिला एक दिन का वैज्ञानिक बनने का मौका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बच्चों के एक दिन का दारोगा और एक दिन का एसपी बनने की आपने खबरे जरूर पढ़ी होंगी लेकिन छात्रों को एक दिन का वैज्ञानिक बनने का मौका मिले तो यह उन महान वैज्ञानिकों को याद करने के लिए काफी है, जिन्होंने अपना सर्वस्व जीवन मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान की खोज में अर्पण कर दिए। जी, हां मौका था लखनऊ विश्वविद्यालय व उत्तर प्रदेश कॉउन्सिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेशनल अकादमी ऑफ़ साइंस, इंडिया लखनऊ चैप्टर एवं एक्सपीरियोंम की तरफ से नवीन परिसर में फार्मेसी संस्थान की तरफ से शनिवार को आयोजित दवा की खोज एवं दवा बनाने के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन विषय से सम्बंधित था। जिसमें फार्मेसी संस्थान में विभिन्न स्कूली छात्रों को एक दिन का वैज्ञानिक बनने का अवसर मिला।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय विशिष्ट अतिथि प्रो पीके सेठ, पूर्व प्रबंधक बायोटेक पार्क लखनऊ, मुख्य व्यक्ता प्रो. आलोक धवन, निदेशक, सीबीएमआर लखनऊ द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह एवं आईपीएस के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। प्रो. आलोक धवन ने अपने सम्बोधन में छात्रों को भविष्य में साइंस के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। प्रो पी के सेठ ने निदेशक प्रो पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी को स्कूली छात्रों को विज्ञान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम के लिए सराहना की एवं व्यक्त किया कि इस तरह विज्ञान का स्तर उत्तर प्रदेश में निश्चित तौर पर बढ़ेगा और शायद मेरी समझ में ये ऐसा पहला संस्थान हैं जो इस प्रकार का आयोजन कर रहा हैं। विवि के कुलपति ने छात्रों को विश्विद्यालय एवं संस्था की उपलब्धियों के बारे में बताया और साथ ही फार्मेसी संस्था की नवनिर्मित प्रयोगशालाओं के छात्रों को उपयोग के सम्बन्ध में विश्लेषित किया। इस अवसर पर हर्बल एंटीवायरल एवं मॉस्क्वीटो रेपलेंट रोल-ऑन अतिथियों द्वारा लॉन्च किया गया। यह फार्मास्यूटिकल उत्पाद फार्मेसी संस्थान के अध्यापक डॉ कवित रावल एवं डॉ लुबना आज़मी द्वारा निदेशक प्रो पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में बनाया गया है।

छात्रों ने लैब में किए एक्सपेरिमेंट

स्कूली छात्रों ने अध्यापक एवं अध्ययनरत छात्रों की मदद से स्वयं प्रयोगशाला में एक्सपेरिमेंट्स किये। जिसमें एस्पिरिन दवा कि सिंथेसिसए बायोकैमिकल एनालिसिसए पेय जल कि शुद्धता एवं टेबलेट आदि की क्वालिटी परिक्षण के मापदंड कर के देखे। साथ ही छात्रों ने हर्बल एनाल्जेसिक, एंटीवायरल एवं मॉसक्वीटो रेपेल्लेंट प्रोडक्ट बनाये एवं हर्बल प्लांट से दवाएं एवं डीएन का आइसोलेशन तथा उनकी शुद्धता की परिक्षण कर पुष्टि करी। स्कूली छात्रों ने ब्लड प्रेशर एवं ब्लड ग्रुप जैसे हिमेटोलोजिकल पैरामीटर का स्वयं परीक्षण कर के देखा और सीखा। कार्यक्रम में दस स्कूलों के कुल ग्यारवीं एवं बारहवीं के दो सौ छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में आठ केंद्रीय विद्यालय, दो सीआरपीएफएएमसी कैंट, बक्शी का तालाब, बीकेटी गवर्नमेंट इंटर कॉलेज तथा संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज के छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कॉउन्सिल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजीए के सौजन्य से स्कूली छात्रों के लिए टेलिस्कोप भी लगाया गया। इस बीच छात्रों ने टेलीस्कोप का उपयोग करके विभिन्न ग्रहों की स्थिति और स्थलीय अंतरिक्ष का दूरबीन दृश्य देखा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कॉउन्सिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. यादव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन डॉ. जीएन सिंह सलाहकार मुख्यमंत्री एवं निदेशक यूपीसीएसटी द्वारा छात्रों को प्रमाण पत्र दे कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आकांक्षा मिश्रा एवं डॉ. कवित रावल द्वारा किया गया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

स्कूली बच्चे बने एक दिन के वैज्ञानिक

लविवि न्यू कैंपस में वैज्ञानिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन, बच्चों ने विज्ञान की बारीकियों को समझा

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लविवि के न्यू कैंपस के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज और उत्तर प्रदेश विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से शनिवार को 'एक दिन के लिए वैज्ञानिक' कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों को विज्ञान में रूचि बढ़ाने के लिए एक दिन का वैज्ञानिक बनाया गया।

लविवि के इस कार्यक्रम का उदघाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। मंच पर उनके साथ सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च के निदेशक प्रो. आलोक धवन, बायोटेक पार्क के पूर्व प्रबंधक प्रो. पीके सेठ व डीन इंजीनियरिंग संकाय प्रो. एके सिंह भी मौजूद रहे। प्रो. अलोक धवन ने एक दिन के बनाए गए वैज्ञानिक की पहल को स्टूडेंट्स को साइंस की सराहना करते हुए कहा कि इससे बच्चों में साइंस के प्रति रूची बढ़ेगी। वहीं प्रो. पीके सेठ ने स्कूली छात्रों को सुविधाएं और अवसर प्रदान करने पर जोर दिया। यह भी कहा कि इस तरह विज्ञान का स्तर उत्तर प्रदेश में भी बढ़ना तय हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों और संस्थान की उपलब्धियों के बारे में बताया और बच्चों में साइंस को लेकर उनकी रुचि को देखते हुए कहा कि यह हमारे

कार्यक्रम की शुरुआत करते कुलपित प्रोफेसर आलोक कुमार व अन्य। फोटो : अमृत विचार

मच्छर भगाने वाला रोलऑन लॉन्च

कार्यक्रम के दौरान हर्बल एंटीवायरल एवं मॉस्क्वीटो रेपलेंट रोलऑन भी लॉन्च किया गया। यह फार्मास्यूटिकल उत्पाद फार्मेसी संस्थान के अध्यापक डॉ. कवित रावल और डॉ. लुबना आजमी ने निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में बनाया है।

दस स्कूलों के छात्र व छात्राएं हुईं शामिल

शहर के आठ केंद्रीय विद्यालय और दो सरकारी कॉलेजों में पढ़ने वाले 11वीं और 12वीं के 207 विद्यार्थियों को "इग्न डिस्कवरी, इग्न डिजाइन एंड डेवलपमेंट" के क्षेत्र के बारे में बताने के लिए "एक दिन का वैज्ञानिक बनाया गया है। छात्र-छात्राओं को पूरी तरह वैज्ञानिक की यूनीफॉर्म भी पहनने को दी गई है। उनके मार्गदर्शन के लिए फार्मेसी के विद्यार्थी और शिक्षक मौजूद रहे। यह कार्यक्रम दवा की खोज एवं दवा बनाने के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित रहा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

लविवि इंजीनियरिंग संकाय में वेब डेवलपमेंट विषय पर सेमिनार संपन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा शनिवार को वेब डेवलपमेंट रोडमैप फॉर आई. टी. विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य वक्ता कॉग्निजेंट के सीनियर वेब डेवलपर सौरव सिंह रहे। इंजी. संकाय के डीन प्रोफेसर ए. के सिंह ने स्पीकर का स्वागत किया। सौरव सिंह ने फ्रंट एंड बैक एंड और फुल स्टैक डेवलपमेंट के रेमवकर्स और उसके इंडस्ट्रियल स्कोप के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कोरोनाकाल के बाद से इंडस्ट्री में लगभग सभी कार्यों का संपादन ऑनलाइन माध्यम से होने के कारण वेब डेवलपमेंट के क्षेत्र में रोजगार के वृहद अवसर पैदा हुए हैं और आईटी कंपनियां वेब डेवलपर के प्रोफाइल पर छात्रों को अच्छा पैकेज भी ऑफर कर रही है। इस कार्यक्रम का आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के डॉ. हिमांशु पांडेय और स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर रवि सोनी, पूजा चौहान और अदिति प्रकाश ने किया।

एलयू में विभिन्न स्कूली छात्रों को मिला एक दिन का वैज्ञानिक बनने का मौका

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज और उत्तर प्रदेश विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से शनिवार को 'एक दिन के लिए वैज्ञानिक' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। मंच पर उनके साथ सीबीएमआर यानी सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च के निदेशक प्रो. आलोक धवन, बायोटेक पार्क के पूर्व प्रबंधक प्रो. पी. के सेठ, डीन इंजीनियरिंग संकाय प्रो. ए. के सिंह भी मौजूद रहे। प्रो. अलोक धवन ने एक दिन के बनाए गए वैज्ञानिक पहल को छात्रों में विज्ञान को लेकर रूचि बढ़ाने वाला करार दिया। प्रो. सेठ ने स्कूली छात्रों को सुविधाएं और अवसर प्रदान करने पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह विज्ञान का स्तर यूपी में भी बढ़ना तय है। एलयू कुलपति ने छात्रों और संस्थान की समस्त उपलब्धियों के बारे में बताया। इस अवसर पर हर्बल एंटी वायरल एवं मासक्विटों रेपलेंट रोल ऑन भी लॉन्च किया गया। यह फार्मास्यूटिकल उत्पाद फार्मेसी संस्थान के अध्यापक डा. कवित रावल और डा. लुबना आजमी ने निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में बनाया है। इसी क्रम में शहर के आठ केंद्रीय विद्यालय और दो सरकारी कालेजों में पढ़ने वाले 11वीं और 12वीं के लगभग 200 विद्यार्थियों को ड्रग डिस्कवरी, ड्रग डिजाइन एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र के बारे में बताने के लिए एक दिन का वैज्ञानिक बनाया गया है। छात्र-छात्राओं को बकायदा वैज्ञानिक की यूनीफार्म भी पहनने को दी गई। उनके मार्गदर्शन के लिए फार्मेसी के विद्यार्थी और शिक्षक मौजूद रहें।

TOI PAGE 2

Schoolchildren turn 'scientists' for a day

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Schools students who visited Lucknow University's Institute of Pharmaceutical Science laboratories were amazed to see how aspirin is made by synthesizing molecules, how the purity of water can be tested, how herbal repellents are made from plant extracts and a lot more, during the 'One day scientist' event conducted by the LU on Saturday.

During the event, around 200 students of class XI and XII from 10 prominent schools in the city got an opportunity to witness and conduct experiments in the hi-tech laboratory of the university.

Scientists like the founder CEO of the Biotech Park, PK Seth, director of the Centre of Biomedical Research Alok Dhawan, director of Uttar Pradesh Council of Science and Technology Anil Yadav and CM's science advisor GN Singh, who was the chief guest on the occasion, interacted with school students.

"I had never thought that aspirin, a very commonly used medication in every household, is made after so much rigorous research work. It was a learning